एम.ए. संस्कृत / M.A. in Sanskrit

पाठ्यक्रम संरचना (शैक्षणिक सत्र 2019-20 से)

सेमेस्टर	पत्र क्रम	कोड	पत्र-शीर्षक	पृ.सं
1.	प्रथम पत्र	MSNS-101	वैदिक वाङ्मय-ऋक्सूक्त, वैदिक व्याकरण एवं निरुक्त	02
	द्वितीय पत्र	MSNS-102	साहित्यशास्त्र : साहित्यदर्पण	03
	तृतीय पत्र	MSNS-103	साहित्य : मुद्राराक्षस, मेघदूत	04
	चतुर्थ पत्र	MSNS-104	भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता	05
2.	पञ्चम पत्र	MANS-201	दर्शन : न्याय एवं वेदान्त	06
	षष्ठ पत्र	MANS-202	व्याकरण : लघुसिद्धान्तकौमुदी	07
	सप्तम पत्र	MANS-203	साहित्य : नैषधीयचरितम्, उत्तररामचरितम्	08
	अष्टम पत्र	MANS-204	संस्कृत साहित्य सर्वेक्षण	09
3.	नवम पत्र	MSNS-301	भाषाविज्ञान	10
	दशम पत्र	MSNS-302	साहित्य : कादम्बरी (कथामुखम्)	11
	एकादश पत्र	MSNS-303 A	विकल्प (1) : वैदिक वाङ्मय : ऋग्वेद सूक्त, तैत्तिरीयोपनिषद्, केनोपनिषद्	12
		MSNS-303 B	विकल्प (2) : साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश	13
		MSNS-303 C	विकल्प (3) : दर्शनशास्त्र : पातञ्जल योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित)	14
		MSNS-303D	विकल्प (4) : व्याकरण : सिद्धान्तकौमुदी	15
		MSNS-303 E	विकल्प (5) : अर्वाचीन संस्कृत साहित्य	16
	द्वादश पत्र	MSNS-304 A	विकल्प (1) : वैदिक वाङ्मय : निरुक्त	17
		MSNS-304 B	विकल्प (2) : साहित्यशास्त्र: ध्वन्यालोक	18
		MSNS-304 C	विकल्प (3) : दर्शनशास्त्र : सांख्य एवं मीमांसा	19
		MSNS-304 D	विकल्प (4) : व्याकरण : काशिका वृत्ति एवं सिद्धान्तकौमुदी	20
		MSNS-304 E	विकल्प (5) : अर्वाचीन संस्कृत साहित्य	21
4.	त्रयोदश पत्र	MSNS-401	निबन्ध और अनुवाद	22
	चतुर्दश पत्र	MSNS-402	भारतीय इतिहास दृष्टि एवं कालविज्ञान	23
	पञ्चदश पत्र	MSNS-403 A	विकल्प (1) : वैदिक वाङ्मय : यजुर्वेद, अथर्ववेद	24
		MSNS-403 B	विकल्प (2) : साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश	25
		MSNS-403 C	विकल्प (3) : दर्शनशास्त्र : ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य	26
		MSNS-403 D	विकल्प (4) : व्याकरण : महाभाष्य एवं वाक्यपदीय	27
		MSNS-403 E	विकल्प (5) : अर्वाचीन संस्कृत साहित्य	28
	षोडश पत्र	MSNS-404 A	विकल्प (1) : वैदिक वाङ्मय का सर्वेक्षण	29
		MSNS-404 B	विकल्प (2) : साहित्यशास्त्र का सर्वेक्षण	30
		MSNS-404 C	विकल्प (3) : न्यायसिद्धान्तमुक्तावली एवं भारतीय दर्शनशास्त्र का सर्वेक्षण	31
		MSNS-404 D	विकल्प (4) : व्याकरणशास्त्र : सिद्धान्तकौमुदी एवं व्याकरणशास्त्र का सर्वेक्षण	32
		MSNS-404 E	विकल्प (5) : अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण	33

सेमेस्टर-01: प्रथम पत्र **कोड :** MSNS-101	**वैदिक वाङ्मय-ऋक्सूक्त, वैदिक व्याकरण एवं निरुक्त**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**ऋक्संहिता :** अग्निमारुत (1.19), सूर्य (1.115), विष्णु (1.154), उषस् (3.61), हिरण्यगर्भ (10.121), पुरुष(10.90) - देवताविषयक टिप्पणी, संहिता पाठ, पद पाठ, सायणादि भाष्य-अनुवाद, व्याख्या, व्याकरणात्मक टिप्पणी	25
इकाई 02:	**वैदिकव्याकरण:** - वैदिक सन्धि (आन्तरिक एवं बाह्य), शब्दरूप एवं धातुरूप, तुमर्थकप्रत्यय, त्वार्थक प्रत्यय, वैदिक स्वर एवं पदपाठ, वैदिक लेट लकार	25
इकाई 03:	**निरुक्त** : अध्याय-1	25
इकाई 04:	**निरुक्त** : अध्याय-2	25

मूलग्रन्थ:

1. ऋकसूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री एवं कृष्ण कुमार (सम्पा.), साहित्य भण्डार, मेरठ
2. ऋक्भाष्य संग्रह, देवराज चानना (सम्पा.), मुंशीराम मनोहरलाल, दिल्ली, 1983
3. ऋग्वेद संहिता, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली, 2013
4. निरुक्त-यास्क, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'(सम्पा.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

सहायकग्रन्थ:

1. वैदिक व्याकरण, उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2003
2. वैदिक व्याकरण, राम गोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. Nighantu and the Nirukta (Critically Edited with English Tr.), Lakshman Swaroop, MLBD, Delhi, 1967
4. Vedic Mythology (Vaidika Devashastra), AA Macdonell, MLBD, Delhi, 1962

सेमेस्टर-01: द्वितीय पत्र **कोड :** MSNS-102	**साहित्यशास्त्र : साहित्यदर्पण**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद** : काव्यप्रयोजन, काव्यस्वरूप, काव्यलक्षण, गुणदोष स्वरूप, पदवाक्य लक्षण, शब्दशक्तियां	25
इकाई 02:	**तृतीय परिच्छेद** : रस-भाव निरूपण, नायक-नायिका विवेचन	25
इकाई 03:	**चतुर्थ परिच्छेद** : ध्वनिकाव्य, गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य, चित्रकाव्य	25
इकाई 04:	**पञ्चम एवं षष्ठ परिच्छेद** : व्यञ्जना वृत्ति व्यवस्थापन, दृश्य एवं श्रव्य काव्य निरूपण	25

मूल ग्रन्थ :

1. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ, शालिग्राम शास्त्री (व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, 2004
2. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ, निरूपणविद्यालंकार (व्या.), साहित्य भण्डार, मेरठ

सहायकग्रन्थ :

1. काव्यतत्त्व समीक्षा, नरेंद्र नाथ चौधरी
2. History of Sanskrit Poetics (also Hindi tr.), SK Dey, Firma KLM Pvt. Ltd., Calcutta, 2nd Edition, 1960, Reprint 1976
3. History of Sanskrit Poetics (also Hindi tr.), PV Kane, MLBD, Delhi, 2002
4. Comparative Aesthetics (Swatantra KalaShastra), KC Pandey, Chaukhamba Sanskrit, Series Office, Varanasi, 1972

सेमेस्टर-01: तृतीय पत्र **कोड : MSNS-103**	**साहित्य : मुद्राराक्षस, मेघदूत**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**मुद्राराक्षस** : प्रथम एवं द्वितीय अङ्क- अनुवाद, पद्यों की व्याख्या, समालोचनात्मक प्रश्न, व्याकरणात्मक टिप्पणियां, नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक टिप्पणियां	25
इकाई 02:	**मुद्राराक्षस** : तृतीय एवं चतुर्थ अङ्क- अनुवाद, पद्यों की व्याख्या, समालोचनात्मक प्रश्न, व्याकरणात्मक टिप्पणियां, नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक टिप्पणियां	25
इकाई 03:	**पूर्वमेघ** : अनुवाद, व्याख्या, कथास्रोत, समालोचनात्मक समीक्षा	25
इकाई 04:	**उत्तरमेघ** : अनुवाद, व्याख्या, कथास्रोत, समालोचनात्मक समीक्षा	25

मूलग्रन्थ :

1. मुद्राराक्षसम् , जगदीश चन्द्र मिश्र (व्या.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. मुद्राराक्षसम्, रमाशंकर त्रिपाठी (व्या.),वाराणसी
3. मेघदूतम्,(व्या.), रमाशंकर त्रिपाठी एवं जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. मेघदूतम्,मोहन देव पन्त और संसार चन्द्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2003
5. Mudrarakshasam with Eng. Tr., MR Kale, MLBD, Delhi

सहायकग्रन्थ :

1. Sanskrit Drama, AB Keith (अनुवादक-उदयभानु सिंह), MLBD, 1965
2. रङ्गमञ्च एवं अभिनयकला , अभय कुमार शाण्डिल्य एवं रूबी, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, २०१९
3. महाकवि शूद्रक, रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती,वाराणसी
4. मेघदूत:एक पुरानी कहानी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर-01: चतुर्थ पत्र **कोड : MSNS-104**	**भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	संस्कृति एवं सभ्यता की परिभाषा तथा स्वरूप, वैदिक एवं उत्तर वैदिक कालीन सभ्यता एवं संस्कृति, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की विशेषताएँ	25
इकाई 02:	रामायणकालीन, महाभारतकालीन, महाकाव्यकालीन, एवं पुराणकालीन सभ्यता एवं संस्कृति	25
इकाई 03:	निम्नलिखित विषयों के विशेष सन्दर्भ में भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का अध्ययन- वर्णाश्रम-व्यवस्था, पुरुषार्थ चतुष्टय, षोडश संस्कार, विवाह के प्रकार, प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली, प्राचीन भारत नारी एवं दलितों की स्थिति	25
इकाई 04:	बौद्ध, जैन, वैष्णव एवं शैव धर्मों का उद्भव एवं विकास	25

सहायकग्रन्थ सूची :

1. भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी
3. भारतीय संस्कृति का उत्थान, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, दिल्ली
4. धर्मशास्त्र का इतिहास, पी.वी. काणे, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, , लखनऊ
5. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, डी.डी. कौशाम्बी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय संस्कृति : कुछ विचार, सर्वपल्ली राधाकृष्णन् , राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
7. भारत की राष्ट्रीय संस्कृति - हुसैन एस. आबिर, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
8. Glories of India, PK Achary
9. The Wonder that was India, AL Basham

सेमेस्टर-02: पञ्चम पत्र **कोड : MSNS-201**	**दर्शन : न्याय एवं वेदान्त**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**तर्कभाषा** : प्रमाण- प्रत्यक्ष , अनुमान , उपमान, शब्द , अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि का स्वरूप एवं तद्विषयक विप्रतिपत्तियाँ और उनका समाधान, प्रामाण्यवाद	25
इकाई 02:	**तर्कभाषा** : प्रमेय निरूपण, संशय, प्रयोजन, दृष्टांतसिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा एवं हेत्वाभास	25
इकाई 03:	**वेदान्तसार** : अधिकारी, अनुबंधचतुष्टय निरूपण, अध्यारोप, अज्ञान का स्वरुप और अज्ञान की शक्तियां, प्रपञ्च निरूपण	25
इकाई 04:	**वेदान्तसार** : चैतन्य निरूपण, सृष्टिप्रक्रिया एवं पञ्चीकरण, आत्मस्वरूप, अपवाद, महावाक्य, वृत्तियाँ-श्रवण, मनन, निदिध्यासन एवं समाधि, जीवनमुक्ति एवं विदेहमुक्ति	25

मूलग्रन्थ : -

1. तर्कभाषा-केशव मिश्र, आचार्य बद्रीनाथशुक्ल (व्या.), मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, 1968
2. तर्कभाषा-केशव मिश्र, श्रीनिवास शास्त्री (व्या.), साहित्य भण्डार, मेरठ, 1972
3. वेदान्तसार-सदानन्द, आचार्य बद्रीनाथशुक्ल (व्या.), मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, 1979
4. वेदान्तसार-सदानन्द, राममूर्ति शर्मा (व्या.), ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2001
5. Tarkbhasa- Keshav Mishra (ed. and tr.) S.R. Layer, Chaukhambha Orientetion Delhi

सहायकग्रन्थ :

1. भारतीय न्याय शास्त्र: एक अध्ययन, ब्रह्ममित्र अवस्थी, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, 1967
2. History of Indian Philosophy, S.N. Das Gupta, MLBD, Delhi, 1975
3. Indian Philosophy, S. Radhakrishnan, OUP, Delhi, 1990
4. Hiriyani, M.- Out line of Indian Philosophy, London, 1956 (also Hindi Translation)
5. Mahadevan, T.M.P.- Philosophy of Advaita, Bharatiya kala prakashan, Delhi 2006

सेमेस्टर-02: षष्ठ पत्र **कोड : MSNS-202**	**व्याकरण : लघुसिद्धान्तकौमुदी**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	सुबन्त प्रकरण- अजन्तपुल्लिङ्ग से हलन्त नपुंसकलिङ्ग तक	25
इकाई 02:	तिङन्त- भ्वादयः(भू, अत्, एध्), अदादयः(अद्, हन्, अस्), जुहोत्यादयः(हु, दा), तुदादयः(तुद्, मुच्) रुधादयः(रूध्, भुज्), तनादयः(तन्, कृ), क्र्यादयः(क्री, ज्ञा), चुरादयः(चुर्, कथ्),	25
इकाई 03:	णिजन्तप्रक्रिया, सन्नतप्रक्रिया, यङन्तप्रक्रिया, यङलुगन्तप्रक्रिया, नामधातु	25
इकाई 04:	अपत्याधिकार, रक्ताद्यार्थका:, चातुरर्थिक, विभक्त्यर्थ, स्त्रीप्रत्यय	25

मूलग्रन्थ :

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री (व्या.), मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी

सहायक ग्रन्थ :

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी-भैमी व्याख्या (भाग-1-6), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
2. व्याकरण चन्द्रोदय (भाग 1-3), चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी-प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, सत्यपाल सिंह, शिवालिक पब्लिकेशन्स, दिल्ली
4. The Laghusiddhantkaumudi of Varadaraja, Vol. 01 & 02, Kanshiram, MLBD, 2011

सेमेस्टर-02: सप्तम पत्र **कोड : MSNS-203**	**साहित्य : नैषधीयचरितम्, उत्तररामचरितम्**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**नैषधीयचरितम्-** प्रथम सर्ग : (पद्य संख्या- 1-75)- कथा स्रोत, अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, व्याकरणात्मक टिप्पणियां	25
इकाई 02:	**नैषधीयचरितम्-** प्रथम सर्ग : (पद्य संख्या- 76-145)कथा स्रोत, अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, व्याकरणात्मक टिप्पणियां	25
इकाई 03:	**उत्तररामचरितम्-** प्रथम अङ्क तथा द्वितीय अङ्क : पद्यों का अनुवाद, व्याख्या, चरित्र चित्रण, नाट्यतत्त्व समीक्षा, अभिनय शैली	25
इकाई 04:	**उत्तररामचरितम्-** तृतीय तथा चतुर्थ अङ्क : पद्यों का अनुवाद, व्याख्या, चरित्र-चित्रण, नाट्यतत्त्व समीक्षा, अभिनय शैली, शेष अङ्कों का द्रुतवाचन	25

मूलग्रन्थ :

1. नैषधीयचरितम्-श्रीहर्ष, दीपशिखा टीका, रामनारायणलाल वेणी प्रसाद, इलाहाबाद
2. नैषधीयचरितम्-श्रीहर्ष, मोहन देव पन्त (व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. नैषधीयचरितम्-श्रीहर्ष, शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1983
4. उत्तररामचरितम्-भवभूति, आनन्दस्वरुप, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय (व्या. एवं सम्पा.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5. उत्तररामचरितम्-भवभूति, रमाकान्त त्रिपाठी, वाराणसी, 1193
6. Uttarramacharitam, MR Kale, MLDD, Delhi, 1962
7. Uttarramacharitam, PV Kane, MLDD, Delhi, 1962

सहायक ग्रन्थ :

1. नैषध समीक्षा, देव नारायण झा, नागपब्लिशासर्स, दिल्ली, 2001
2. नैषधीयचरित चर्चा, महावीर प्रसाद द्विवेदी, गंगापुस्तकमाला कार्यालय, लखनऊ, 1952
3. नैषधीयचरित का अभिनव समीक्षात्मक एवं व्याख्यात्मक अध्ययन, शिक्षकप्रकाशन, कानपुर, 1981
4. भवभूति के नाटक, ब्रजवल्लभ शर्मा, मध्य-प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1973
5. भवभूति और उनका उत्तररामचरितम्, रामाश्रय शर्मा, परिमल पब्लिकेशान्स, दिल्ली, 1997
6. रङ्गमञ्च एवं अभिनयकला , अभय कुमार शाण्डिल्य एवं रूबी, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, २०१९
8. Bhawabhooti: His Life and Literature, SV Dikshit, CPP, Belgaun, 1958
9. The Sanskrit Drama, AB Keith, OUP, 1964
10. Bhawabhooti: His Date, Life and Works, BB Mirashi, MLBD, Delhi 1974

सेमेस्टर-02 : अष्टम पत्र कोड : MSNS-204	संस्कृत साहित्य सर्वेक्षण	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	वैदिक साहित्य काल-निर्णय (भारतीय एवं पाश्चात्य मत), संहिता, ब्राह्मण,आरण्यक,उपनिषद्, वेदांग, रामायण, महाभारत, पुराणों का सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक,आध्यात्मिक एवं राजनैतिक अध्ययन	25
इकाई 02:	महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, नीतिकाव्य, स्तोत्रकाव्य : उद्भव और विकास, लक्षण एवं विशेषताएँ	25
इकाई 03:	गद्य तथा चम्पू साहित्य : उद्भव और विकास, लक्षण एवं विशेषताएँ	25
इकाई 04:	दृश्य काव्य : संस्कृत रूपकों का उद्भव और विकास, संस्कृत रूपकों के भेद, संस्कृत रूपकों की उत्पत्ति के विविध सिद्धांत	25

सहायकग्रन्थ सूची :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. M. Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, Motilal Banarsidass, Delhi.
7. History of Sanskrit Literature, A.B. Keith, Motilal Banarsidass, Delhi
8. Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, Motilal Banarsidass, Delhi
9. Maurice Winternitz, Indian Literature (Vol. I-III), Motilal Banarsidass, Delhi.

सेमेस्टर-03 : नवम पत्र कोड : MSNS-301	भाषाविज्ञान	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	भाषाविज्ञान का परिचय, भाषा की उत्पत्ति के विविध सिद्धांत, भाषाओं का वर्गीकरण, भाषाओं के वर्गीकरण में संस्कृत का स्थान	25
इकाई 02:	भारोपीय भाषा परिवार का वैशिष्ट्य, मूल भारोपीय भाषा की विशेषताएँ और उनकी शाखाएँ, संसार के प्रमुख भाषा परिवारों का सामान्य परिचय	25
इकाई 03:	अवेस्ता एवं वैदिक संस्कृत की विशेषताएं एवं अन्तःसम्बन्ध, वैदिक संस्कृत-लौकिक संस्कृत-प्राकृतभाषाओं की विशेषताएं एवं उनका अन्तःसम्बन्ध	25
इकाई 04:	संस्कृत ध्वनियों का वर्गीकरण, संस्कृत के स्वनिम, संस्कृत के ध्वनिगुण, ध्वनिपरिवर्तन के कारण, प्रमुख ध्वनि नियम, संस्कृत की विभिन्न ध्वनियों का विकास, संस्कृत की पदरचना तथा वाक्य संरचना, शब्दशक्तियां तथा वाक्यार्थविषयक भारतीय सिद्धान्त, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं और उनके कारण	25

सहायकग्रन्थसूची :

1. भाषाविज्ञान की भूमिका, आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषाविज्ञान-कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी , किताब महल ,इलाहाबाद , 1992
4. तुलनात्मक भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली,1974
5. भाषाविज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
6. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, विश्वविद्यालय प्रकाशन ट्रस्ट ,वाराणसी
7. सामान्य भाषाविज्ञान, बाबुराम सक्सेना ,हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग, उ.प्र.
8. Linguistic Introduction to Sanskrit, V.K. Ghosh, Sanskrit Pustak, Calcutta
9. An Introduction to Sanskrit Linguistics, M. Shreeman Narayan Moorthy, VK Publication, Delhi, 1984
10. Elements of Science of Language, Taraporewala, Calcutta University Press, Calcutta

सेमेस्टर-03 : दशम पत्र कोड : MSNS-302	साहित्य : कादम्बरी (कथामुखम्)	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	कादम्बरी परिचय, मंगलाचरण से कविवंश वर्णन पर्यन्त : अनुवाद, व्याख्या, समालोचनात्मक प्रश्न	25
इकाई 02:	शूद्रक वर्णन से शूद्रक सभामण्डप वर्णन पर्यन्त : अनुवाद, व्याख्या, समालोचनात्मक प्रश्न	25
इकाई 03:	शुककृतप्रणाम से शबरकृत्यवर्णन पर्यन्त : अनुवाद, व्याख्या, समालोचनात्मक प्रश्न	25
इकाई 04:	शुकदशावर्णन से रात्रिवर्णन पर्यन्त : अनुवाद, व्याख्या, समालोचनात्मक प्रश्न	25

मूलग्रन्थ:

1. कादम्बरी - आचार्य शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी- 2017
2. कादम्बरी-कथामुखाम्, डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर- 2015
3. कादम्बरी-बाणभट्ट, जयशंकर लाल त्रिपाठी (सम्पा. एवं व्या.), कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 1993
4. कादम्बरी-बाणभट्ट, धर्मेन्द्र नाथ शास्त्री, प्रकाशन केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ
5. Kadambari, PV Kane, Oriental Book Agency, Pune

सहायक ग्रन्थ :

1. कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन, वासुदेव शरण अग्रवाल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1970
2. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन, अमर नाथ पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1974
3. कादम्बरी का काव्यशास्त्रीय अध्ययन, राजेश्वरी भट्ट, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर
4. Indroduction to the Study of Bana and his Kadambari, GV, Devasthali, Bombay
5. Ban, RD Karmakar, Karnatak University, Dharawad

सेमेस्टर-03: एकादश पत्र (विकल्प 01) कोड : MSNS-303 A		**वैदिक वाङ्मय : ऋग्वेद सूक्त, तैत्तिरीयोपनिषद्, केनोपनिषद्**
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	वरुण- 1.25, सूर्य-सावित्री- 1.35 सूर्य- 1.125, द्यावापृथिवी- 1.160, इन्द्र- 2.12, पर्जन्य- 5.83,	25
इकाई 02:	वास्तोस्पति- 7.54, अक्षसूक्त- 10.24, अग्निमारुत- 10.29, वाक्सूक्त- 10.125	25
इकाई 03:	तैत्तिरीयोपनिषद्	25
इकाई 04:	केनोपनिषद्	25

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. ऋकसूक्त संग्रह, हरिदास शास्त्री (सम्पा.), साहित्य भण्डार, मेरठ
2. ऋक्भाष्य संग्रह, देवराज चानना (सम्पा.), मुंशीराम मनोहरलाल, दिल्ली, 1983
3. ऋग्वेद संहिता, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली, 2013
4. 112 Upanishadas & their Philosophy, A. N. Bhattacharya, Parimal Publication, Delhi
5. ऋग्वेद - सायण-भाष्य-सहित भाग 1-5 (प्र0 सम्पादक), नारायण शर्मा सोनटक्के, वैदिक संशोधन मंडल, पूना
6. ऋग्वेद संहिता - (सम्पादक) श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, वैदिक स्वाध्याय मंडल, पारडी, 1936
7. ऋग्वेद संहिता - वेंकटमाधव भाष्य सहित, (सम्पादक) लक्ष्मणसरूप, लाहौर, 1939
8. ऋग्वेद सहिता - स्कन्दस्वामी तथा वेंकटमाधवाचार्य भाष्य सहित, त्रिवेन्द्रम् संस्कृत सीरीज, त्रिवेन्द्रम्, 1942
9. ऋग्वेद संहिता - (अनुवादक) पं0 जयदेव शर्मा, अजमेर, 1935 (सम्पूर्ण)
10. ऋग्वेद संहिता - (सम्पूर्ण) (अनुवादक) पं0 दामोदर सातवलेकर, पारडी, 1947-52
11. ऋग्वेद संहिता - (अनुवादक) जियालाल काम्बोज, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2005
12. Rigveda - (Translated by) Griffith, Chaukhamba Sanskrit Series, Varanasi, 1920
13. Rigveda Mandala VII - H.D. Velankar, Bharatiya Vidya Bhavan, Bombay, 1963

सेमेस्टर-03 : एकादश पत्र (विकल्प 02) **कोड : MSNS-303 B**		**साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश**
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**काव्यप्रकाश :** काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यलक्षण, काव्यभेद	25
इकाई 02:	**काव्यप्रकाश :** शब्दार्थस्वरुप, तात्पर्यार्थ, अभितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, अभिधा एवं संकेतग्रह सिद्धान्त, लक्षणानिरूपण और लक्षणा के भेद	25
इकाई 03:	**काव्यप्रकाश :** व्यंजना-निरूपण, रस स्वरूप, रससूत्र की व्याखाएं, रस भेद	25
इकाई 04:	**काव्यप्रकाश :** अर्थव्यंजकता और ध्वनि निरूपण, गुणीभूतव्यंग्य विवेचन और चित्र काव्य	25

मूल ग्रन्थ :

1. काव्यप्रकाश-बालाबोधिनी टीका, वामन झल्किकर, सम्पा. रघुनाथ करमकर, भण्डारकर ओरिएण्टल इंस्टिट्यूट, पूना
2. काव्यप्रकाश- व्या. आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, सम्पा. डॉ. नगेन्द्र, ज्ञानमंडल लिमिटेड , वाराणसी, 1960
3. काव्यप्रकाश- सम्पादक पं. थानेशचन्द्र उप्रैति, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली-2010

सहायकग्रन्थ :

1. काव्यप्रकाश-विवेकानुशीलन, डॉ. गिरीश चन्द्र पन्त, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 2001
2. ध्वनिप्रस्थान में आचार्य मम्मट का अवदान, डॉ. जगदीश चन्द्र शास्त्री, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, शोध प्रकाशन, वाराणसी, 1977
3. अभिनव भारती- डॉ. नागेन्द्र, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली- 2010
4. रस सिद्धांत- डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हॉउस दिल्ली
5. Poetic lite- Prof. R.C. Dwivedi,Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-03 : एकादश पत्र (विकल्प 03) कोड : MSNS-303 C		**दर्शनशास्त्र : पातञ्जल योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित)**
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	समाधि पाद	25
इकाई 02:	साधन पाद	25
इकाई 03:	विभूति पाद	25
इकाई 04:	कैवल्य पाद	25

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. पातञ्जलयोगदर्शनम् - पतञ्जलि, (व्याख्याकार) सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. पातञ्जलयोगसूत्र, पातञ्जलयोगदर्शनम्, ब्रह्म मित्र अवस्थी एवं अभय कुमार शाण्डिल्य, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, २०१९
3. पातञ्जलयोगदर्शनम् - पतञ्जलि, (व्याख्याता) स्वामी हरिहरानन्द 'आरण्यक', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९७४
4. योगसूत्रम् - पतञ्जलि, (अनुवादक) महाप्रभुलाल गोस्वामी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, १९८३
5. योगसूत्रम् - पतञ्जलि, (अनुवादक) रमाशंकर त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, १९८५
6. योगबीज, ब्रह्म मित्र अवस्थी एवं अभय कुमार शाण्डिल्य, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, २०१८
7. उपाध्याय, बलदेव - भारतीय दर्शन, शारदा मंदिर, वाराणसी, २००१
8. शर्मा, चन्द्रधर - भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००४
9. शर्मा, राममूर्ति - अद्वैत वेदान्त : इतिहास तथा सिद्धान्त, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
10. दत्तात्रेय योगशास्त्र, ब्रह्म मित्र अवस्थी एवं अभय कुमार शाण्डिल्य, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, २०१८
11. Yogastatra/21 - Patanjali, (ed.) J.R. Ballantyne, Pious Book Corp., Delhi, 1985
12. Dasgupta, S.N. - History of Indian Philosophy', Vols. I-V, M.L.B.D., Delhi, 1975

सेमेस्टर-03 : एकादश पत्र (विकल्प 04) **कोड : MSNS-303 D**	**व्याकरण : सिद्धान्तकौमुदी**	
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**भ्वादि** : भू-सत्तायाम् , एध् वृद्धौ, अत् सातत्यगमने, षिधू शास्त्रे माङ्गल्ये च, णद् अव्यक्ते, क्षि-क्षये, गुपू रक्षणे, क्रमु पादविक्षेपे, जि-जये, द्युत्-दीप्तौ, वृतु-वर्तने, श्रु-श्रवणे, गम्लृ-गतौ, दृशि-प्रेक्षणे, यज्-देवपूजासङ्गतिकरणदानेषु, वद्-व्यक्तायां वाचि **अदादि** : अद्-भक्षणे, हन्-हिंसागत्योः, दुह्-प्रपूरणे, ब्रुञ्-व्यक्तायां वाचि, विद्-ज्ञाने	25
इकाई 02:	**जुहोत्यादिगण**– हु-दानादनयोः, ञिभी-भये, डुभृञ्-धारणपोषणयोः, डुदाञ्-दाने **दिवादिगण**– दिवु क्रीडाविजगीषा..., नृती-गात्रविक्षेपे, जनि-प्रादुभावे । **स्वादिगण**– षुञ्-अभिषवे, स्तृञ् आच्छादने, चिञ् चयने **तुदादिगण**– तुद्-व्यथने, भ्रस्ज् पाके, मुच्लृ मोक्षणे **रुधादिगण**– रुधिर्-आवरणे । **तनादिगण**– तनु-विस्तारे, डुकृञ्-करणे । **क्रयादिगण**– डुकृञ्-द्रव्यविनिमये, श्रृ हिंसायाम्, ज्ञा अवबोधने, ग्रह् उपादाने **चुरादिगण**– चुर्-स्तेये, कृत् संशब्दने, कथ्-वाक्यप्रबन्धे	25
इकाई 03:	प्रक्रिया– ण्यन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङ्लुगन्त	25
इकाई 04:	प्रक्रिया– नामधातु से लकारार्थ तक	25

सन्दर्भ-ग्रन्थ:

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनी-टीका) - (सं0) गिरिधर शर्मा चतुर्वेद एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, तृतीय भाग, दिल्ली
2. गोविन्दाचार्य, वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (चतुर्थ भागः प्रथम खण्ड, द्वितीय खण्ड), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
3. जिज्ञासु, पं ब्रह्मदत्त - अष्टाध्यायी (भाष्य)प्रथमावृति, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़, सोनीपत,हरियाणा
4. शिवनारायण शास्त्री, वैयाकरण-सिद्धान्तकौमुदी, भ्वादिगण (भवतोषिणी हिन्दी टीका सहित), दिल्ली 1989
5. Sharma, Ramanath - The Astadhyayi of Panini, Vol.1 to Vol. 6, Munshiram Monoharlal Publishers Pvt. Ltd. Delhi. 1987-2003
6. Vasu, S,C, - The Astadhyayi of Panini (2 Vols.), Motilal Banarasidass, Delhi-1997

सेमेस्टर-03 एकादश पत्र (विकल्प 05) **कोड : MSNS-303 E**	**अर्वाचीन संस्कृत साहित्य : पद्य काव्य**	
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	श्री स्वामिविवेकानंदचारितम् (त्र्यम्बक शर्मा भंडारकर) : सर्ग १-७ तक की कथावस्तु , अष्टम सर्ग	25
इकाई 02:	श्री स्वामिविवेकानंदचारितम् : नवम तथा दशम सर्ग	25
इकाई 03:	सत्याग्रह गीता (पण्डिता क्षमाराव)	25
इकाई 04:	सत्याग्रह गीता	25

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. वक्रसरलता, भागीरथी नन्द , संस्कृत प्रतिभा, उन्मेष -५४ ,जनवरी-मार्च २०
2. मालाकार:(कथा संग्रह:) , पं. मदन मोहन झा , (संपा.मोहन भारद्वाज) बिहार राज्य संस्कृत अकादमी,पटना
3. आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन, डॉ. गिरीशचन्द्र पन्त (सम्पा.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
4. आधुनिक संस्कृत साहित्य, मैत्रेयी कुमारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
5. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

सेमेस्टर-03 : द्वादश पत्र (विकल्प 01) **कोड : MSNS-304 A**	**वैदिक वाङ्मय : निरुक्त**	
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	निरुक्त- अध्याय : 7	25
इकाई 02:	निरुक्त- अध्याय : 8	25
इकाई 03:	निरुक्त- अध्याय : 9	25
इकाई 04:	निरुक्त- अध्याय : 10	25

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. निरुक्त-यास्क, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'(सम्पा.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. निरुक्तम्(निघण्टु)व्याख्याकार पण्डित सीताराम शास्त्री ,परिमल पब्लिकेशन,दिल्ली.2017
3. निरुक्तवृत्ति,प्रो.ज्ञानप्रकाश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन,दिल्ली 2015
4. Nighantu and the Nirukta (Critically Edited with English Tr.), Lakshman Swaroop, MLBD, Delhi, 1967

सेमेस्टर-03 : द्वादश पत्र (विकल्प 02) कोड : MSNS-304 B		**साहित्यशास्त्र : ध्वन्यालोक**
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**ध्वन्यालोक:** आनंदवर्धन की ध्वनि विषयक स्थापना, ध्वनिविरोधी मतों का निराकरण, वाच्य एवं प्रतीयमान अर्थ, त्रिविध ध्वनि-वस्तु-अलंकार और रस	25
इकाई 02:	**ध्वन्यालोक:** ध्वनि का काव्यात्मत्त्व, ध्वनि काव्य का लक्षण, अलंकारों में ध्वनि के अन्तर्भाव का निराकरण, लक्षणा व्यापार और व्यंजना व्यापार का भिन्न विषयत्व	25
इकाई 03:	**ध्वन्यालोक:** ध्वनिभेद, भट्टनाटक एवं अन्य आचार्यों के मतों की समीक्षा	25
इकाई 04:	**ध्वन्यालोक:** रसादि अलंकारों का विषय, गुण व अलंकार का लक्षण, गुणस्वरुप, विवक्षितान्यपरवाच्यध्वनि, अलंकारध्वनि की प्रयोजनवत्ता	25

मूल ग्रन्थ :

1. ध्वन्यालोक, आचार्य विश्वेश्वर सिद्धांत शिरोमणि, ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी
2. ध्वन्यालोक-आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त लोचन तथा तारावती हिन्दी व्याख्या, रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1973
3. ध्वन्यालोक-आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त लोचन टीका तथा प्रकाश व्याख्या सहित, जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, विक्रम सं. 2021
4. ध्वन्यालोक, डॉ कृष्ण कुमार साहित्य भण्डार मेरठ

सहायकग्रन्थ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र, गणेश त्रयम्बक देशपाण्डेय, मुम्बई, 1960
2. ध्वन्यालोक की उज्जीवनी टीका ; एक समीक्षा, डॉ रूबी, इस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली- 2014
3. Aesthetics Experience according to Abinava Gupta, Gnoli & Ranero, Chaukhamba Series Office, Varanasi, 1968
4. Dwanyaloka and its Critics, K Krishnamoorthy, Dharawad

सेमेस्टर-03 : द्वादश पत्र (विकल्प 03) कोड : MSNS-304 C		**दर्शनशास्त्र : सांख्य एवं मीमांसा**
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	सांख्यकारिका (1-36 कारिका), अनुवाद, व्याख्या तथा समालोचना	25
इकाई 02:	सांख्यकारिका (37-72 कारिका) , अनुवाद, व्याख्या तथा समालोचना	25
इकाई 03:	अर्थसंग्रह- प्रारम्भ से अधिकार विधि पर्यन्त, अनुवाद, व्याख्या तथा समालोचना	25
इकाई 04:	अर्थसंग्रह- शेषभाग (अनुवाद, व्याख्या तथा समालोचना)	25

मूल ग्रन्थ :

1. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर (हिन्दी व्याख्याकार), कामेश्वरनाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर (हिन्दी व्याख्याकार), दयाशंकर शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
3. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर (हिन्दी व्याख्याकार), वाचस्पति उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी
4. Arthasangraha - Laugaksibhaskara (ed. & trans.) A.B. Gajendragadkar & R.D. Karmarkar, Bhandarkar Oriental Research Institute, Poona, 1973
5. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण (व्याख्याकार), ब्रजमोहन चतुर्वेदी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1988
6. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण (व्याख्याकार), विमला कर्णाटक, चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी, 1984
7. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण मिश्र (व्याख्याकार), राकेश शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली, 2004

सेमेस्टर-03 : द्वादश पत्र (विकल्प 04) कोड : MSNS-304 D		**व्याकरण : काशिका-वृत्ति एवं सिद्धान्त-कौमुदी**
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	काशिका 1.1	25
इकाई 02:	सिद्धान्तकौमुदी– कारकप्रकरण	25
इकाई 03:	सिद्धान्तकौमुदी – समासप्रकरण (अव्ययीभाव, तत्पुरुष)	25
इकाई 04:	सिद्धान्त कौमुदी – समासप्रकरण (बहुव्रीहि से अलुक्समास पर्यन्त)	25

मूल ग्रन्थ :

1. काशिकावृत्ति, प्रथम भाग तथा द्वितीय भाग, सम्पादक - श्रीनारायण मिश्र, रत्ना पब्लिकेशंस, वाराणसी, 1985
2. काशिका, प्रथम भाग, द्वितीय भाग, तृतीय भाग, सम्पादक - जयशंकर लाल त्रिपाठी तथा सुधाकर मालवीय, तारा प्रिन्टिंग वर्क्स, वाराणसी, 1986-87
3. काशिकावृत्ति, न्यास-पदमञ्जरी-सहिता, सम्पादक - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री एवं पं0 कालिका प्रसाद शुक्ल, भाग 1, 2, वाराणसी
4. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (बालमनोरमा तत्त्वबोधिनी टीका), द्वितीय भाग, (सं0) गिरिधर शर्मा चतुर्वेद एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, दिल्ली
5. जिज्ञासु, ब्रह्मदत्त - अष्टाध्यायी (भाष्य) प्रथमावृत्ति (प्रथम भाग), रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (सोनीपत, हरियाणा)
6. पाण्डेय, गोपालदत्त - वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, प्रथम भाग, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1994
7. शास्त्री, जगदीशलाल एवं मधुबाला शर्मा - वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (समास-प्रकरण), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
8. Sharma, Ramanath - The Astadhyayi of Panini, Vol. 1, Vol. 2, Vol. 3, Munshiram Manoharlal, Delhi, 1987 (Part I), 1990 (Part II), 1995 (Part III).
9. Vasu, S.C. The Astadhyayi of Panini, Vol. I, Motilal Banarsidass, Delhi, 1997

सेमेस्टर-03 : द्वादश पत्र (विकल्प 05) कोड : MSNS-304 E	**अर्वाचीन संस्कृत साहित्य : गद्यकाव्य**
क्रेडिट : 04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क — कुल अंक :100
इकाई 01:	द्वासुपर्णा (रामजी उपाध्याय) : पूर्वभाग
इकाई 02:	द्वासुपर्णा (रामजी उपाध्याय) : उत्तरभाग
इकाई 03:	अभिनव पञ्चतन्त्रम् (अभिराज राजेन्द्र मिश्र) मित्रसम्प्राप्ति,मित्रभेद , काकोलूकीयम्
इकाई 04:	अभिनव पञ्चतन्त्रम् : लब्धप्रणाश , अपरीक्षितकारकम्

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. द्वासुपर्णा, रामजी उपाध्याय, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, २०१७
2. अभिनवपञ्चतन्त्रम् , भिराज राजेन्द्र मिश्र, वैजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद, २००९
3. वक्रसरलता, भागीरथी नन्द , संस्कृत प्रतिभा, उन्मेष -५४
4. मालाकार:(कथा संग्रह:) , पं. मदन मोहन झा , (संपा.मोहन भारद्वाज) बिहार राज्य संस्कृत अकादमी,पटना
5. आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन, डॉ. गिरीशचन्द्र पन्त (सम्पा.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य, मैत्रेयी कुमारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
7. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. विंशशताब्दी-संस्कृत-काव्यामृतम्-भाग ०१ (संकलन, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
9. संस्कृत साहित्य: बिसवीं शताब्दी, प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी , राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
10. आधुनिक संस्कृत साहित्य, दयानन्द भार्गव, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
11. आधुनिक संस्कृत साहित्य, हीरालाल शुक्ल, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
12. Sanskrit Dramas of the Twentieth Century, Satyavrat Usha, Mehar Chand Lachnandas, Delhi

सेमेस्टर-04 : त्रयोदश पत्र कोड : MSNS-401		**निबन्ध और अनुवाद**
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	100
इकाई 01:	**अनुवाद** : संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के नियम (कारक एवं विभक्ति सम्बन्धी), वाच्यपरिवर्तन- कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य, प्रत्ययों का प्रयोग- शतृ, शानच्, क्त, क्तवतु, कृत्य आदि, अव्ययों का प्रयोग	25
इकाई 02:	**अनुवाद** : अपठित हिन्दी/अंग्रेजी गद्यांश/पद्यांश से संस्कृत में, अपठित संस्कृत गद्यांश/पद्यांश से हिन्दी/अंग्रेजी में	25
इकाई 03:	**अनुवाद** : संस्कृत पत्र लेखन, पुस्तक समीक्षा, समाचार-पत्र प्रतिवेदन	25
इकाई 04:	**निबन्ध** : निबन्ध लेखन कला एवं इसके तत्त्व, सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक तथा समसामयिक विषयों पर संस्कृत में निबन्ध	25

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

१. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर नौटियाल 'हंस', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
२. प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
३. वाद: खण्ड 1 एवं 2, मुक्त स्वाध्याय पीठम्, राष्ट्रियसंस्कृत संस्थानम्, नई दिल्ली, 2015
४. रचनाअनुवाद कला अथवा वाग्व्यवाहारादर्श , मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली
५. संस्कृतनिबन्धशतकम् , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी
६. संस्कृत निबन्धावली, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
७. The Students Guide to Sanskrit Composition, V.S. Apte, Chaukhmba Sanskrit Series Office, Varanasi
८. Higher Sanskrit Grammar , M. R. Kale, MLBD, Delhi

सेमेस्टर-05 : चतुर्दश पत्र **कोड : MSNS-402**	**भारतीय इतिहास दृष्टि एवं कालविज्ञान**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	**कालविज्ञान के घटक तत्त्व** : संवत्सरविज्ञान, अयनविज्ञान, ऋतुविज्ञान, मास, पक्ष, तिथिविज्ञान, वारविज्ञान, नक्षत्रविज्ञान, वैदिककाल में नक्षत्रादि	25
इकाई 02:	**इतिहासलेखन :** इतिहास के विषय, विस्तार और पद्धति, इतिहास के साधन और मर्यादाएँ, इतिहास लेखन की समस्याएँ एवं समाधान (ऐतिहासिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक, माइथोलॉजी एवं इतिहास), प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत (साहित्यिक साक्ष्य- धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य; विदेशी यात्रियों के विवरण-यूनानी-रोमन लेखक, चीनी लेखक, अरबी लेखक; पुरातत्त्व सम्बन्धी साक्ष्य), मनुष्य की जन्मभूमि, आर्यों के मूलनिवास के सम्बन्ध में विभिन्नमत, सप्तसिन्धुवाद, आर्यभाषाओं का उद्गम, प्रसिद्ध तथा महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों तथा लेखकों का काल निर्धारण, तिलक का 'ओरायन या वैदिक प्राचीनता की खोज', सूर्यसिद्धान्त	25
इकाई 03:	**वेधप्रकरण** : भारत में वेध परम्परा, कालमापक यन्त्र (नाड़ीवलय यन्त्र, बृहत्सम्राट्-पलभा यन्त्र, शङ्कु यन्त्र, धीयन्त्र, चक्रयन्त्र, क्रान्तिवृत्त यन्त्र, तुरीय यन्त्र, कर्कराशिवलय यन्त्र, मकरराशिवलय यन्त्र, उन्नतांश यन्त्र, षष्ठ्यंश यन्त्र)	25
इकाई 04:	**प्रमुख भारतीय गणितज्ञ (परिचय एवं योगदान) :** लगधमुनि, बौधायन, आपस्तम्ब, आर्यभट्ट-प्रथम, ,वराहमिहिर, भास्कर-प्रथम, आर्यभट्ट-द्वितीय, ब्रह्मगुप्त, लल्लाचार्य, महावीराचार्य, भास्कर-द्वितीय, नीलकंठ सोमयाजी, शंकर वारियार, शंकर बालकृष्ण दीक्षित, पं. सुधाकर द्विवेदी, भारती कृष्ण तीर्थ	25

ग्रन्थ सूची:

1. भारतीय गणितज्ञ, अनन्त व्यवहारे, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2011
2. भारतीय व्रतोत्सव, पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1988
3. पञ्चाङ्ग-गणितम्, कल्याणदत्त शर्मा, वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, हरिद्वार, सवत् 2062
4. भारतीयज्योतिष (शंकर बालकृष्ण दीक्षित की मराठी पुस्तक का हिन्दी अनुवाद), शिवनाथ झारखण्डी, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 2002
5. ज्योतिर्विज्ञान की वेधशाला, कल्याणदत्त शर्मा, वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, हरिद्वार, सवत् 2061
6. The Orion or Researches into The Antiquity of the Vedas, Bal Gangadhar Tilak, Messrs Tilak Bros, Poona City
7. The Wonder That was India, AL, Basham
8. How to Read History, Archibald Robertson, London, 1952

सेमेस्टर-04 : पञ्चदश पत्र (विकल्प 01) **कोड : MSNS- 403 A**	**वैदिक वाङ्मय : यजुर्वेद, अथर्ववेद**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क , सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	यजुर्वेद- प्रथम अध्याय	25
इकाई 02:	यजुर्वेद-22/22 (अब्रह्मण् ब्राह्मणो...), अध्याय- 40	25
इकाई 03:	अथर्ववेद- पृथिवी सूक्त 12/1	25
इकाई 04:	अथर्ववेद- संज्ञान सूक्त 5/19, पवमान सूक्त- 9.23, प्राण सूक्त- 2/3/3/15, बृहस्पति सूक्त- 4/7/1/1	25

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. यजुर्वेद संहिता संपा.- रविप्रकाश आर्य, परिमल प्रकाशन, दिल्ली
2. अथर्ववेद संहिता - (अनुवादक) श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, वैदिक स्वाध्याय मंडल, पारडी, 1950
3. अथर्ववेद सहिता - (अनुवादक) जयदेव विद्यालंकार, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 1935
4. यजुर्वेद सहिता (वाजसनेय संहिता) - उव्वट महीधर भाष्य सहित, (सम्पादक) राम शकल मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1913-14
5. यजुर्वेद सहिता (मैत्रायणी संहिता) - सायणभाष्य सहित, (सम्पादक) श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, वैदिक स्वाध्याय मण्डल, पारडी, 1942
6. यजुर्वेद संहिता - महर्षिदयानन्दभाष्य सहित, वॉल्यूम -II (सम्पादक) युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, सोनीपत, 1961 एवं 1971
7. यजुर्वेद (वाजसनेवि संहिता) - (सम्पादक) श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1963
8. शुक्ल यजुर्वेद - (Translation), T.H. Grifith, Varanasi, 1927
9. यजुर्वेद - (अनुवादक) दौलतराम गौड़, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1965
10. Yajurveda - With Sayana Bhasya, Vol. I-V, (ed.) Laxmi Venkatesvara, Bombay, 1940-41
11. शुक्लयजुर्वेदीय प्रातिशाख्य अथवा वाजसनेयि प्रातिशाख्य - (अनुवादक) वीरेन्द्र कुमार वर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, 1987

सेमेस्टर-04 : पञ्चदश पत्र (विकल्प 02) कोड : MSNS- 403 B		**साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश**
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क , सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100

इकाई 01:	सप्तम उल्लास: दोष विवेचन	25
इकाई 02:	अष्टम उल्लास : गुण विवेचन	25
इकाई 03:	नवम उल्लास : शब्दालंकार एवं उभयालंकार विवेचन	25
इकाई 04:	दशम उल्लास : अर्थालङ्कार विवेचन	25

मूल-ग्रन्थ

1. काव्यप्रकाश-बालाबोधिनी टीका, वामन झल्किकर, सम्पा. रघुनाथ करमकर, भण्डारकर ओरिएण्टल इंस्टिट्यूट, पूना
2. काव्यप्रकाश- व्या. आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, सम्पा. डॉ. नगेन्द्र, ज्ञानमंडल लिमिटेड , वाराणसी, 1960
3. काव्यप्रकाश- सम्पादक पं. थानेशचन्द्र उप्रैति, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली-2010

सहायक ग्रन्थ :

4. काव्यप्रकाश-विवेकानुशीलन, डॉ. गिरीश चन्द्र पन्त, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 2001
5. ध्वनिप्रस्थान में आचार्य मम्मट का अवदान, डॉ. जगदीश चन्द्र शास्त्री, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, शोध प्रकाशन, वाराणसी, 1977
6. Poetic lite- Prof. R.C. Dwivedi,Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-04 : पञ्चदश पत्र (विकल्प 03) कोड : MSNS- 403 C		दर्शनशास्त्र : ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क , सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क		कुल अंक :100
इकाई 01:	प्रथम अध्याय, प्रथम पाद, 1-11 सूत्र पर्यन्त (ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य)		25
इकाई 02:	प्रथम अध्याय, द्वितीय पाद, 1-12 सूत्र पर्यन्त, द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद, 1-45 सूत्र पर्यन्त		25
इकाई 03:	तृतीय अध्याय, द्वितीय पाद, 1-41 सूत्र पर्यन्त		25
इकाई 04:	वेदान्त प्रस्थान 'ब्रह्मसूत्र' का वैश्विक पाश्चात्यचिन्तनों से साम्य तथा वैषम्य (सैण्ट आगस्टीन, हीगल शापेन हावर, स्पिनोजा, काण्ट, थामस, एक्विनस इत्यादि)		25

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (चतु:सूत्री) - (व्याख्याकार) आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1966
2. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य (चतु:सूत्री) - (व्याख्याकार) रमाकान्त त्रिपाठी, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, लखनऊ, 1979
3. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - (व्याख्याकार) कामेश्वर मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सिरीज ऑफिस, वाराणसी, 1976
4. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - भामती टीका अनुवाद सहित (सम्पादक), स्वामी योगीन्द्रानन्द, षड्दर्शन प्रकाशन, वाराणसी, 1982
5. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - (व्याख्याकार) स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, सत्यानन्दी दीपिका सहित, गोविन्द मठ, वाराणसी, 1978
6. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - (व्याख्याकार) स्वामी हनुमान जी षड्शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1964
7. ब्रह्मसूत्रभाष्यम् श्रुतप्रकाशिकायुतम् - भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
8. शर्मा, चन्द्रधर - भारतीय दर्शन : आलोचन व अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2001
9. Devaraja, N.K. - Introduction to Sankara's Theory of Knowledge, M.L.B.D., Delhi, 1972
10. Radhakrishnan, S. - Indian Philosophy, Vol. 1-2, London, 1967 (Also Hindi Translation by Nanda Kishor Gomil, Delhi, 1986)
11. Sharma, Rammurti - Advaita Vedanta, Eastern Book Linkers, Delhi, 1998

सेमेस्टर-04 : पञ्चदश पत्र (विकल्प 04) कोड : MSNS- 403 D		**व्याकरण : महाभाष्य एवं वाक्यपदीय**
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क , सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100

इकाई 01:	महाभाष्य– पस्पशाह्निक	25
इकाई 02:	वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड 1–43 (कारिकाओं की संख्या अभ्यङ्कर-लिमये संस्करण के अनुसार)	25
इकाई 03:	वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड 44–106	25
इकाई 04:	वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड 106–156	25

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. वाक्यपदीयम्, ब्रह्मकाण्डम्, पं0 रघुनाथ शर्मा कृत अम्बाकर्त्री टीका सहित, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1997
2. अय्यर, के.ए.एस. - भर्तृहरि का वाक्यपदीय, अनुवादक - रामचन्द्र द्विवेदी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
3. अवस्थी, शिवशङ्कर - वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1997
4. झा, द्रव्येश एवं वेदानन्द झा - वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्डम्,
5. वामदेव, आचार्य - वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 1997
6. शर्मा, वीरेन्द्र - वाक्यपदीय सम्बन्धसमुद्देश : एक विवेचनात्मक अध्ययन, होशियारपुर, 1977
7. शास्त्री,गौरीनाथ- शब्दार्थमीमांसा, (हिन्दी-अनु0) मिथिलेश चतुर्वेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
8. शास्त्री, चारुदेव - व्याकरण-महाभाष्य (नवाह्निक), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. शास्त्री, शिवनारायण - महाभाष्य-प्रदीप-प्रकाश, परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 1991
10. शुक्ल, सूर्यनारायण - वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्), चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1990
11. Iyer, K.A.S. - Bhartrihari, Deccan College, Poona, 1969
12. Iyer, K.A.S. - The Vakyapadiya of Bhartrihari with the Vritti, Chapter I, English Translation, Deccan College, Pune, 1995
13. Vakyapadiya of Bhartrihari, Edited by K.V. Abhyankar and V.P. Limaye, Poona,
14. Vakyapadiya of Bhartrihari with Vritti and Paddhati, Edited by K.A. Subrahmania Iyer

सेमेस्टर-04 : पञ्चदश पत्र (विकल्प 05) **कोड : MSNS- 403 E**		**अर्वाचीन संस्कृत साहित्य : नाटक**
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	जयन्तुकुमाऊनीया (लीलाराव दयाल)-१	25
इकाई 02:	जयन्तुकुमाऊनीया (लीलाराव दयाल)-२	25
इकाई 03:	आक्रन्दनम् (हरिदत्त शर्मा)-१	25
इकाई 04:	आक्रन्दनम् (हरिदत्त शर्मा)-२	25

मूल ग्रन्थ :

1. जयन्तुकुमाऊनीया (लीलाराव दयाल)
2. आक्रन्दनम् (हरिदत्त शर्मा)
3. आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन, डॉ. गिरीशचन्द्र पन्त (सम्पा.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २००८
4. संस्कृत साहित्य:बींसवी शताब्दी, प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी , राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, १९९९
5. आधुनिक संस्कृत साहित्य, दयानन्द भार्गव, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, १९८७
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य, हीरालाल शुक्ल, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद, १९७१

सेमेस्टर-06 : षोडश पत्र (विकल्प 01) कोड : MSNS-404 A		**वैदिक वाङ्मय का सर्वेक्षण**
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100

इकाई 01:	संहिता साहित्य	25
इकाई 02:	ब्राह्मण साहित्य	25
इकाई 03:	आरण्यक तथा उपनिषद् साहित्य	25
इकाई 04:	वेदाङ्ग साहित्य	25

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. उपाध्याय, बलदेव वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मंदिर, वाराणसी
2. उपाध्याय, बलदेव - संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास - प्रथम भाग (वेद) - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ,
3. चतुर्वेदी, गिरिधर शर्मा - वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
4. जिज्ञासु, ब्रह्मदत्त - वेदार्थ के मूलभूत सिद्धान्त
5. त्रिपाठी, गयाचरण - वैदिक देवता उद्भव और विकास
6. द्विवेदी, कपिलदेव- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, पंचम संस्करण 2010
7. पाण्डेय, गोविन्द चन्द्र - वैदिक संस्कृति, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. विद्यालंकार, सत्यकेतु - प्राचीन भारतीय इतिहास का वैदिक युग
9. वैद्यनाथ- वैदिक इतिहास विमर्श

सेमेस्टर-06 : षोडश पत्र (विकल्प 02) **कोड : MSNS-404 B**	**साहित्यशास्त्र का सर्वेक्षण**	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	प्रारम्भिक काल : प्रारम्भ से भामह तक, रचनात्मक काल : भामह से आनन्दवर्धन तक	25
इकाई 02:	निर्णयात्मक काल : आनंदवर्धन से मम्मट तक, व्याख्या काल : मम्मट से विश्वेश्वर पाण्डेय तक	25
इकाई 03:	रस सम्प्रदाय, अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय	25
इकाई 04:	वक्रोक्ति सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय	25

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. संस्कृत साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
2. साहित्य शास्त्रकोश, राजवंश सहाय 'हीरा' बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
3. अलंकार शास्त्र का इतिहास, कृष्ण कुमार, ज्ञान मण्डल मेरठ
4. History of Sanskrit Poetics, SK De, KLM Pharma Pvt. Ltd., Calcutta, 1976
5. History of Sanskrit Poetics, PV Kane, MLBD, Delhi, 1976
6. Studies on Some Concepts of Alankarshastra, V Raghavan, Adyar Library, Madras
7. Comparative Aesthetics, KC Pandey, Chaukhambaa Varanasi
8. साहित्य सिद्धान्त, पं. सीताराम शास्त्री, सं. पं. शिवनारायण शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली- 2004
9. संस्कृत आलोचना, पं. बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ- 2009

सेमेस्टर-06 : षोडश पत्र (विकल्प 03) कोड : MSNS-404 C		**दर्शनशास्त्र : न्यायसिद्धान्तमुक्तावली एवं भारतीय दर्शनशास्त्र का सर्वेक्षण**
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-अनुमान खण्ड : परामर्श, पक्ष, व्याप्ति, हेतु	25
इकाई 02:	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-अनुमान खण्ड : हेत्वाभास, अनुमान के भेद	25
इकाई 03:	वैदिकसूक्तों में दार्शनिक प्रवृत्तियां (नासदीय सूक्त, पुरुष सूक्त, हिरण्यगर्भ सूक्त, हंसवती ऋचा, वाक् सूक्त, काल सूक्त-इनका सामान्य अध्ययन), भारतीय षड्दर्शन विमर्श (पृष्ठभूमि, आचार्य, साहित्य, प्रमुख सिद्धान्त), अन्य दार्शनिक विचारधाराएँ (वैष्णवदर्शन, शैवदर्शन, शाक्तदर्शन)	25
इकाई 04:	चार्वाक, जैन एवं बौद्धदर्शन का उद्भव, विकासक्रम, प्रमुख सिद्धान्त, आचार्य एवं ग्रन्थ	25

ग्रन्थ सूची:

1. कारिकावली, सूर्यनारायण शुक्ल, श्रीहरिकृष्णनिबन्धभवनम्, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन (भाग-०१-०२), डॉ. राधाकृष्णन्, राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली
3. भारतीय धर्म और दर्शन, पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. भारतीय दर्शन की चिन्तनधारा, राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा ओरिएण्टालिया, दिल्ली
5. M. Hiriyanna, Outline of Indian Philosophy, London, 1956
6. Radhakrishnan, N.- Indian Philosophy, Oxford University Press, Delhi,1990
7. Dasgupta S.N., History of Indian Philosophy, Cambridge University Press, Cambridge
8. Chatterjee, S.C. & Dutta D.M.- Introduction of Indian Philosophy, Culcutta
9. Pandey R.C.- Panorama of Indian Philosophy, MLBD, Delhi,1966
10. Sharma Rammurti, Advaita Vedanta, Estern Book Linkars, Delhi, 1998

सेमेस्टर-06 : षोडश पत्र (विकल्प 04) कोड : MSNS-404 D		**सिद्धान्तकौमुदी एवं व्याकरणशास्त्र का सर्वेक्षण**
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क	कुल अंक :100
इकाई 01:	सिद्धान्तकौमुदी-पूर्वकृदन्त : क्त प्रत्ययप्रकरण के द्रवमूर्तिस्पर्शषयोः श्यः से विकुशमिपरिभ्यः स्थलम् सूत्रों को छोडकर	25
इकाई 02:	सिद्धान्तकौमुदी– कृदन्तप्रकरण, उत्तरकृदन्त (उणादिरहित)	25
इकाई 03:	पाणिनि पूर्व व मुनित्रय (पाणिनि,कात्यायन,पतञ्जलि) आचार्यों का सर्वेक्षण	25
इकाई 04:	पाणिन्युत्तर तथा पाणिनि परम्परा के दार्शनिक आचार्यों का सर्वेक्षण	25

ग्रन्थ सूची:

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनी-टीका) - (सं0) गिरिधर शर्मा चतुर्वेद एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, तृतीय भाग, दिल्ली।
2. गोविन्दाचार्य, वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (चतुर्थ भागः प्रथम खण्ड, द्वितीय खण्ड), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
3. अग्निहोत्री, प्रभुदयाल – पतञ्जलि कालीन भारतवर्ष, पटना, 1963
4. अग्रवाल, वासुदेवशरण – पाणिनि कालीन भारतवर्ष, पटना, 1969
5. मीमांसक, युधिष्ठिर - संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास, रामलाल कपूर ट्रस्ट, सोनीपत, 1974
6. वर्मा, सत्यकाम - संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास, दिल्ली
7. Belvalkar, S.K. - Systems of Sanskrit Grammar, Delhi, 1915.
8. Cardona, George – Panini: A Survey of Research, Delhi, 1980
9. Ray, Bidyut Lata - Panini to Patanjali: A Gramatical March, Dellhi, 2004
10. Scharfe, Hartmut - Grammatical Literature (A History of Indian literature Vol. V), Wiesbaden

सेमेस्टर-06 : षोडश पत्र (विकल्प 05) कोड : MSNS-404 E	अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण	
क्रेडिट :04	आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क कुल अंक :100	
इकाई 01:	सन्1857- 1900 तक	25
इकाई 02:	सन् 1900-1947 तक	25
इकाई 03:	सन् 1947-2000 तक	25
इकाई 04:	सन् 2000-वर्तमान समय तक	25

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन, डॉ. गिरीशचन्द्र पन्त (सम्पा.), विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २००८
2. आधुनिक संस्कृत साहित्य, मैत्रेयी कुमारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, २०१७
3. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, २०१५
4. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, राजमंगल यादव, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, २०१७
5. कल्पवल्ली (समकालीन संस्कृत काव्य संकलन), अभिराज राजेन्द्र मिश्र, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, २०१३
6. नवस्पन्दः, राधावल्लभ त्रिपाठी, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
7. तदेव गगनं सैव धरा (काव्य संग्रह), श्रीनिवास रथ, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
8. विंशशताब्दी-संस्कृत-काव्यामृतम्-भाग ०१ संकलन, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
9. संस्कृत साहित्य:बींसवी शताब्दी, प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी , राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, १९९९
10. आधुनिक संस्कृत साहित्य, दयानन्द भार्गव, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, १९८७
11. आधुनिक संस्कृत साहित्य, हीरालाल शुक्ल, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद, १९७१
12. आधुनिक संस्कृत काव्य-परम्परा,केशवराव मुसलगांवकर ,चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी,2004.
13. परीवाहः, बलरामशुक्ल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, २०१६
14. Sanskrit Dramas of the Twentieth Century, Satyavrat Usha, Mehar Chand Lachhamandas, Delhi